Hindi Honours.

"इन्स्टालमेंट" – भगवतीचरण वर्मा

पात्र विश्वम्भरनाथ – चौधरी – पिता – हरसहाय
सुरेश – उम्र – 25 — दोस्त
प्रेमा और कमला – – कॉलेज में साथ पढ़ रही थी।

इस कहानी में लेखक यह कहना चाहते हैं कि आज के नौजवान दिखावे के लिए कर्ज लेकर भी कार खरीद सकते हैं और उसके दूसरे किस्त के लिए पूरे शहर में भीख मांग सकते हैं। इस झूठ-मूठ के दिखावे में आज की युवा पीढ़ी पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है।

इस कहानी का नायक विश्वम्भरनाथ कॉलेज के दिनों परिचित दो लड़कियों को दिखाने के लिए

Hindi Honours

2nd Paper – "इन्स्टालमेंट"

इन्स्टालमेंट में दो कार खरीदते हैं। लड़की का नाम कमला और प्रभा है। उन दोनों लड़कियों ने इनको एक गंदे बुलको पर सवारी करते देख लिया था और खूब ठठाकर दोनों हँस पड़ी थी। ये पानी-पानी हो गए थे। इसी अपमान से तिलमिला कर उन्होंने इन्स्टालमेंट पर कार खरीदी। पूरे शहर का चक्कर मार पर कमला और प्रभा का कहीं पता नहीं चला। थके-हारे अपने मित्र सुरेश के यहाँ 300 ~~या 400~~ रुपये माँगने आये जिससे कार का इन्स्टॉलमेंट दे सके।

सुरेश के डाँटने पर उसने वादा किया कि जिस दिन दोनों लड़किया यह कार देख लेगी उसके दो चार दिन बाद यह कार मैं बेच लूँगा।

इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि सादा जीवन और उच्च विचार का सिद्धांत ही जीवन में अपनाना चाहिए, नहीं तो सबों की हालत चौधरी विश्वम्भरनाथ सहाय जैसी हो जाएगी।

बलराम कुमार